Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding non-vacation of Rajya Sabha Chamber by Members of Rajya Sabha.

माननीय अध्यक्ष: अधीर रंजन जी ।

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सर, बात यह है कि आपके ही कहने पर हम सब सोशल डिस्टैंसिंग मेनटेन कर रहे हैं । अभी-अभी आपने कहा कि अपने मास्क ठीक से लगाकर बैठिए । हम सब आपकी बात मान कर चलते हैं ।

सर, इस समय कोरोना के संक्रमण के चलते लोक सभा और राज्य सभा एक साथ नहीं होती है । राज्य सभा सुबह में शुरू होती है और लोक सभा का काम दोपहर के बाद तीन बजे से शुरू होता है । लेकिन, अभी राज्य सभा में एक विधेयक को लेकर जिस तरीके से वहां एक स्टेलमेट पैदा हुआ है, जिसके कारण राज्य सभा अभी चल नहीं सकती । हमारे लोक सभा के मेम्बर्स राज्य सभा चैम्बर में कैसे जाएंगे क्योंकि इसमें सोशल डिस्टैंसिंग नहीं रहेगी । इसलिए मैं आपसे दरख्वास्त करता हूं कि राज्य सभा में जो स्टेलमेट चल रही है, उसे जरा खत्म होने दीजिए, तब तक यह सदन बंद रहना चाहिए, नहीं तो सोशल डिस्टैंसिंग का रखरखाव हम नहीं कर पाएंगे ।... (व्यवधान)

सर, हम आपसे यह विनती कर रहे हैं । राज्य सभा को रिस्टोर होने दीजिए, वहां नॉर्मैल्सी होने दीजिए । राज्य सभा के सामान्य होने तक, दयापूर्वक यह सदन बंद रखिए ।

माननीय अध्यक्ष: मैंने अधीर रंजन जी की बात सुनी है । मैंने सभी सदस्यों का मत भी जाना है । हम सब के लिए यह बात चिंता का विषय भी है और इस विषय पर आज हम लोग सकारात्मक रूप से चर्चा भी करने वाले हैं । सभी लोगों के मत जानते हुए मुझे नियम-384 के अन्तर्गत आपको सूचित करना है कि आज की सिटिंग में राज्य

सभा चैम्बर, लोक सभा का पार्ट नहीं होगा ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, मैं इसकी व्यवस्था दे रहा हूं ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, खड़े होकर नहीं, आप कृपया बैठ कर बोलें ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: हम लोगों को डिसिप्लीन में सदन चलाना है ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, प्लीज़, मेरी बात खत्म होने दीजिए ।

सर, लोक सभा के जो हमारे मेम्बर्स हैं, सिर्फ कांग्रेस पार्टी के ही नहीं, बल्कि सभी पार्टियों के मेम्बर्स को आपने राज्य सभा चैम्बर में स्थान दिया है । लेकिन, अगर राज्य सभा में इस तरीके का घमासान जारी रहेगा, अगर इस तरह का स्टेलमेट जारी रहेगा तो लोक सभा के जिन मेम्बर्स का स्थान राज्य सभा चैम्बर में है, वे वहां कैसे जा पाएंगे? इसका मतलब कि सोशल डिस्टैंसिंग तार-तार होने वाली है ।…(व्यवधान)

सर, आप एक तरफ कहते हैं कि कोविड संक्रमण के मद्देनजर सबको सावधानी बरतनी चाहिए, लेकिन आप खुद अगर सोशल डिस्टैंसिंग का पालन नहीं करेंगे तो सबको यह भी बुरा लगेगा । इसलिए कम से कम स्थिति सामान्य होने दीजिए। हम आपसे यह मांग कर रहे हैं, विनतीपूर्वक मांग कर रहे हैं कि हालात के सामान्य होने तक आप हमें मौका दीजिए।

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, मैंने आपकी बात सुनी है। जो व्यवस्था मैंने बनाई है, आप निश्चिंत रहें, अभी लोक सभा की ऊपर वाली गैलरी पूरी खाली है। सभी माननीय सदस्यों से मैंने व्यक्तिश: आग्रह किया है कि जो सामाजिक दूरी का नियम है, उसी के तहत सदन चल रहा है।

आप चिंता न करें। आपकी चिंता हमारी चिंता है।

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, मेम्बर्स को राज्य सभा चैम्बर में स्थान आपने दिया है।

माननीय अध्यक्ष: हम चाहते हैं कि देश देखे।

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, मेरे कहने का मतलब है कि इसे सामान्य होने दीजिए । वहां सभी पार्टी के लोग फँसे हुए हैं । यह कोई कांग्रेस पार्टी का सवाल नहीं है कि हम मनमानी कर रहे हैं।

वहां सारी पार्टी के सदस्य, सारे सहयोगी, कुलीग हैं । आपके भी हैं और हमारे भी कुलीग हैं। आप हालात को सामान्य होने तक समय दें। हालात सामान्य होने तक सरकार हस्तक्षेप करे, हालात को सामान्य होने दें, फिर सदन चलाएं। हम तो बराबर आपको सहयोग करते हैं, हर दिन करेंगे। आपका मकसद पूरा करने में हम सब कटिबद्ध हैं, इसलिए हमारी आपसे गुज़ारिश है कि हालात सामान्य होने तक हमें मौका दीजिए । हम लोग मना नहीं करते, लेकिन हालात के मद्देनज़र मैं आपसे गुज़ारिश करता हूं।

माननीय अध्यक्ष : मैंने आपकी बात को सुना है । अगर ऐसी स्थिति बनेगी, ऊपर की दर्शक दीर्घा पूरी भर जाएगी और फिर कोई माननीय सदस्य बाहर बैठेंगे तो मैं सदन नहीं चलाऊंगा । आप इसे निश्चित मान लीजिए।

...(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: महोदय, यह नियम की बात है। आप खुद नियम बनाते हैं और खुद ही नियम …* आपने खुद नियम बनाए हैं। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सदन में नियम सामूहिक रूप से बनते हैं और सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से पारित होने के बाद नियम प्रक्रिया का हिस्सा बनते हैं। नियम में शिथिलता देने का अधिकार, क्योंकि नियम बुक मुझे दी गई है, इसलिए मैं आवश्यकता पड़ने पर कभी-कभी इसका उपयोग करता हूं।

आज की परिस्थिति में जिस विषय पर चर्चा होनी है, वह विषय हम सबके लिए गंभीर विषय है। हम कोविड के विषय पर चर्चा करना चाहते हैं। अगर इस विषय पर चर्चा नहीं करेंगे तो देश में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। मैं आपकी भावनाएं जानता हूं। आप जिस समय कहेंगे कि सारी दर्शक दीर्घा भर गई है और अगर एक भी माननीय सदस्य बाहर खड़ा होगा, तो मैं निश्चित रूप से सदन नहीं चलाऊंगा। यह मैं वादा आपसे करता हूं।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : आज की चर्चा का प्रस्ताव हमारी तरफ से दिया गया है। कोविड की चर्चा मेरे ही नाम से है।

माननीय अध्यक्ष : आपके नाम से है।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: आपने जरूर इसमें इज़ाजत दी है । हम इस विषय पर बड़े सीरियस हैं, लेकिन मैं हालात के मद्देनज़र बात कर रहा हूं । हालात को थोड़ा सामान्य होने दीजिए । हम सब चाहते हैं कि हम आज इस सदन में इस विषय पर, इस चर्चा में शिरकत करें । यह हम सबके लिए गंभीर मुद्दा है । आप हालात के सामान्य होने तक थोड़ा वक्त दीजिए ।

आप हमारी मज़बूरी समझते हैं । आप हालात के मद्देनज़र हमें थोड़ा मौका दीजिए । आप हालात सामान्य होने दें, उसके बाद आप जो कहेंगे, हम उसे मानने के लिए तैयार रहेंगे ।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: हमारे यहां परंपरा और नियम भी है कि हम किसी भी सदन, दूसरे सदन की चर्चा अपने सदन में नहीं करते हैं । मैं गलत तो नहीं कह रहा हूं?

…(व्यवधान)

कुछ माननीय सदस्य: जी**,** नहीं ।

माननीय अध्यक्ष: यह नियम प्रक्रिया है । उस सदन की प्रक्रिया, संचालन की लोक सभा में झलक नज़र नहीं आनी चाहिए । अगर आप यह झलक यहां दिखाना चाहते हैं, तो यह गलत है ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : महोदय**,** अब यह टू इन वन हो गया है**,** अब यह अलग नहीं है । अगर टू इन वन हो गया है**,** तो आपको इसे बदलना पड़ेगा । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैंने आपको व्यवस्था दे दी है ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: आप हालात सामान्य होने तक थोड़ा सा मौका दीजिए । आप हमारी बात समझते हैं ।

माननीय अध्यक्ष: जिस समय दर्शक दीर्घा भर जाएगी और अगर एक भी माननीय सदस्य बाहर खड़ा होगा तो मैं सदन नहीं चलाऊंगा ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: महोदय**,** आप बिल्कुल कानून के मुताबिक बात करते हैं**,** लेकिन संक्रमण के मद्देनज़र अब टू इन वन हो गया है । लोक सभा और राज्य सभा में अभी बिल्कुल फर्क नहीं है । दोनों मिलकर एक हो गए हैं । आपका जो रूल है, कानून है, यहां एप्लाई मत कीजिए । हमारी हालत और मज़बूरी के मद्देनजर आप हमें मौका दीजिए ।

माननीय अध्यक्ष: ठीक है, मैं विचार जान लेता हूं ।

…(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदय, मैं नियम 384 पढ़कर सुनाता हूं ।

माननीय अध्यक्ष: इसे पढ़ दिया गया है ।

…(व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): Sir, from your chair, you just request all the hon. Members who have been assigned seats in the Rajya Sabha chamber to come here. Let them come here and occupy the vacant seats because we cannot go now. The House has started. Kindly make that request.

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, आप प्रस्ताव दें कि कितने बजे से सदन चलाएं?

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: महोदय, कम से कम हालात तो सामान्य होने दें । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बताएं कि 15 या 20 मिनट?

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: आप कृपया हमें एक बार बात करने का मौका दीजिए । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: नहीं, आप उनसे गाईड मत हों ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: पहले चरण में एक घंटा दीजिए ।

माननीय अध्यक्ष: आप किसी से गाईड मत हों । आप इस सदन के नेता हैं । आप स्वयं निर्णय करें । मैं आपके निर्णय को मानूंगा ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: आप पहले चरण में दो घंटे की मोहलत दीजिए । हम रात में 12, एक बजे तक बैठे रहेंगे । आप हमें दो घंटे की मोहलत दीजिए ।

माननीय अध्यक्ष: मैं व्यवस्था दे रहा हूं ।

…(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: महोदय, हम आपके खिलाफ नहीं हैं । हम रात में बैठे रहेंगे ।

माननीय अध्यक्ष: जोशी जी**,** आप बोलिए ।

…(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी): महोदय, आपने सदन को व्यवस्था दी है । यह एकदम पक्की व्यवस्था है, परफेक्ट है । जब ऊपर की गैलरी में जो सीट्स ऑलरेडी डेजिग्नेट की हैं, अगर सीट्स फुल होती हैं और चैम्बर की सीट्स भी फुल होती हैं, तो आप एड्जर्न कर सकते हैं । बहुत लोग कोविड पर चर्चा करना चाहते हैं । सेंस ऑफ द हाउस यही है । कृपया इसे आप आगे बढ़ाइए, यही मेरा निवेदन है । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं आज आपकी बात मानता हूं ।

सदन की कार्यवाही चार बजे से शुरु करेंगे, तब तक के लिए सभा स्थगित होती है ।

15.12 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Sixteen of the Clock.

16.00 hrs

The Lok Sabha reassembled at Sixteen of the Clock.

(Hon. Speaker *in the Chair)*